[This question paper contains 2 printed pages.]

**Your Roll No.....**

**Sr. No. of Question Paper : 4841** **L**

Unique Paper Code : 6967000007

Name of the Paper : Ethics and Values in Ancient Indian Traditions

Name of the Course : **Value Addition Course (VAC)**

Semester : II / IV

Duration : 1 Hour Maximum Marks : 30

समय : 1 घण्टा पूर्णांक : 30

**Instructions for Candidates**

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Question number **one** is compulsory.
3. Answer any **two** questions from question nos. **2** to **4**.
4. **All** questions carry equal marks.
5. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

**छात्रों के लिए निर्देश**

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. **प्रथम** प्रश्न अनिवार्य है ।
3. प्रश्न संख्या **2** से **4** से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दें ।
4. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।
5. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. Write short notes on **any two** : (5+5)

**किन्हीं दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :

(a) The nature of self in Shramanic traditions

श्रमणिक परंपराओं में स्वयं का स्वरूप।

*P.T.O.*

(b) Discuss the concept of Danda (punishment/authority)

'दड' (सजा/अधिकार) की अवधारणा पर चर्चा करें।

(c) The concept of Ṛta (ऋत) in Vedic traditions

वैदिक परंपराओं में ऋत की अवधारणा।

2. Elaborate on the concept of 'Right Conduct' as prescribed in Buddhist and Jaina philosophies. How do their teachings on non-violence (Ahimsa) and detachment shape their ethical frameworks? (10)

बौद्ध और जैन दर्शन में निर्धारित 'सम्यक आचरण' की अवधारणा का विस्तार से वर्णन करें। अहिंसा और वैराग्य पर उनकी शिक्षाएं उनके नैतिक ढांचे को कैसे आकार देती हैं?

3. Discuss the role of Sanskar (rites of passage) in shaping the individual and constructing the socio-cultural fabric of the Rashtra (nation) in ancient times. (10)

प्राचीन काल में व्यक्ति को आकार देने और 'राष्ट्र' के सामाजिक-सांस्कृतिक ताने-बाने के निर्माण में 'संस्कार' की भूमिका पर चर्चा करें।

4. Analyze the ethical dilemmas presented in the Indian Epics (Ramayana and Mahabharata). How do these texts illustrate the process of cultural assimilation and the assertion of moral duties? (10)

भारतीय महाकाव्यों (रामायण और महाभारत) में प्रस्तुत नैतिक दुविधाओं का विश्लेषण करें। ये ग्रंथ सांस्कृतिक आत्मसातीकरण और नैतिक कर्तव्यों के अभिकथन की प्रक्रिया को कैसे दर्शाते हैं?